an>

Title: Issue regarding cow slaughter in Misrikh Parliamentary Constituency in Uttar Pradesh.

श्रीमती अंजू बाला (मिश्रिख) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपकी आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।...(व्यवधान)

महोदया, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है और मैं इस मुद्दे को पहले भी सदन में उठा चुकी हूं।...(व्यवधान) 27 अक्टूबर को मेरे लोक सभा क्षेत्र मिश्रिख, जहां एक पवित्र स्थान नैमिषारण्य है, जहां के दधीचि कुण्ड की बार-बार बात होती है, दधीचि ऋषि की बात होती है, उसी धरा पर 27 अक्टूबर को 55 गायें काट दी गयीं।...(व्यवधान) मैं इस मुद्दे को सदन में नहीं उठा सकी क्योंकि पार्लियामेंट चल नहीं पा रही है। उत्तर प्रदेश से चुनकर आए हुए कुछ नेता यहां नोटबंदी की बात करते हैं, लेकिन वहां के प्रशासन को देखने की इन्होंने कोशिश नहीं की है।...(व्यवधान) हमें आज तक इंसाफ नहीं मिला है। 55 गायों के अवशेष वहीं पड़े हैं।...(व्यवधान) 28 अक्टूबर को मैं स्वयं वहां गयी थी। मैं जब वहां धरने पर बैठ गयी तो मुझे आश्वासन दिया गया कि दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है।...(व्यवधान) उनको पकड़ते हैं और छोड़ देते हैं। इस घटना के बाद 55 गायों से भरा एक ट्रक पकड़ा गया, जिसमें तीन गाय मृत पायी गयीं और बाकियों को बचा लिया गया।...(व्यवधान) मेरी मांग है कि जो ऐसे घृणित अपराध करता है और गायों को काटता है, उसको सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।...(व्यवधान) मेरी मांग है कि इस घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का सरकार गठन कराए और ऐसे अपराध करने वालों को सजा दी जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री भैरो प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्रीमती नीलम सोनकर,

श्रीमती वीणा देवी को श्रीमती अंजू बाला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।